शिल्प ग्राम

शिल्प ग्राम आधुनिक-युग की एक ऐसी अवधारणा है जहाँ एक ही स्थान पर शिल्प और पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है। कारीगर उसी स्थान पर रहते और कार्य करते हैं तथा उन्हें अपने उत्पादों की बिक्री के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं जिससे उनका जीवनयापन सुनिश्चित हो सके। यहाँ शिल्प वस्तुओं के प्रदर्शन के साथ-साथ बिक्री भी की जाती है।

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय मौजूदा ग्रामों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार में सहायता प्रदान कर रहा है, जहाँ समान शिल्प का अभ्यास करने वाले शिल्पकार एक बड़ी संख्या में रहते हैं तथा शिल्पकर को पुनर्वासित किए जाने हेतु नए ग्रामों की स्थापना भी की जा रही है। इसका उद्देश्य ऐसे ग्रामों का चयन करना है जिन्हें उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करने हेतु पर्यटन से जोड़ा जा सके।

इस घटक के तहत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार/निर्माण के लिए पूंजी प्रदान करेगा जिसमें सड़कें, कारीगरों के घर और उनके कार्य करने के स्थान, सीवरेज, पानी, स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ, दुकानें और प्रदर्शन एरिया आदि शामिल हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना के तहत स्वीकृत 8 शिल्प ग्रामों का ब्यौरा:

क्र. सं.	शिल्प ग्राम का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)	स्वीकृति वर्ष	प्रगति
1.	रघुराजपुर शिल्प ग्राम, पुरी (शिल्प- पट्ट चित्रकारी, ताड़ के पत्ते पर उत्कीर्णन, पत्थर नक्काशी, पेपर मैशी, खिलौने और मुखौटे, काष्ठ नक्काशी, टसर चित्रकारी, धातु शिल्प आदि।)	आईडीसीओ (ओडिशा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास निगम), ओडिशा	1000.00	2014-15	कार्य लगभग समाप्त है। शिल्प ग्राम क्रियाशील है।
2.	तिरुपति शिल्प ग्राम, तिरुपति (शिल्प- काष्ठ नक्काशी, कलमकारी चित्रकारी, धातु शिल्प आदि)	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, चित्तूर	955.00	2016-17	कार्य प्रगति पर है (60% पूर्ण हो गया है)
3.	वदाज शिल्प ग्राम, अहमदाबाद (शिल्प- एपलिक, पेच कार्य, मृदा कार्य एवं कशीदाकारी)	जीएसएचएचडीसी (गरवी गुरजरी), गांधीनगर	713.38	2019-20	विषयगत दीवार बेस कोट चित्रकारी कार्य के साथ मकान की मरम्मत एवं प्लास्टर-पूर्ण। शेष कार्य प्रगति पर है।
4.	नैनी शिल्प ग्राम, प्रगयागराज शिल्प- मूँज शिल्प	उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ	573.12	2019-20	गृह सौंदर्यीकरण कार्य (जिसमें दरवाजों/खिड़कियों की झालर, नवीनीकरण, दीवार चित्रकारी, आदि शामिल हैं।)- पूर्ण है। सड़कदृश (परंपरागत रोशनी, कलात्मक दीवार

					चित्रकारी) आदि प्रगति पर हैं।
5.	अनेगुंडी शिल्प ग्राम, कोप्पल, हंपी (शिल्प – केला तन्तु शिल्प, ह्यासिंथ शिल्प)	कर्नाटक राज्य हस्तशिल्प विकास निगम, बेंगलौर	512.94	2019-20	आईएनटीएसीएच (इंटेक) द्वारा लगभग 180 इकाइयों के लिए डिज़ाइन चित्रकारी पूर्ण की गई। 77 मकानों में से 66 मकानों का कार्य पूर्ण किया गया।
6.	महाबलीपुरम शिल्प ग्राम, चेंगलपट्टू (शिल्प- पत्थर नक्काशी शिल्प, कला- धातु पात्र शिल्प)	तमिलनाडु राज्य हस्तशिल्प विकास निगम	561.35	2020-21	कारीगरों का गृह सौंदर्यीकरण प्रगति पर है। कारीगरों के मौजूदा कार्यस्थलों का नवीनीकरण पूर्ण है। शेष कार्य पूर्ण होने वाला है।
7.	ताज गंज शिल्प ग्राम, आगरा (शिल्प- संगमरमर इनले)	यूपी राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, लखनऊ	758.60	2020-21	कार्य पूर्ण होने वाला है।
8.	आमेर शिल्प ग्राम, जयपुर (शिल्प – टेरकोटा एवं कुंभकारी)	जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, राजस्थान	412.00	2020-21	कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो गई है।